19/2/21 HOME ASSIGNMENT

1. अतिथि तुम कब जाओगे पाठ का मूल उद्देश्य क्या है? अपने भाषा में लिखिए।

उ अतिथि तुम कब जाओगे, एक व्यंग्यात्मक कहानी है, जिनके लेखक शरद जोशी हैं। इस कहानी के माध्यम से लेखक शरद जोशी ये शिक्षा देना चाहते हैं, जैसे सभी चीजों का एक सम्मापत समय होता है, और एक अंतिम सिमा होती, जिसे किसी को पार नहीं करना चाहिए, उसी प्रकार अतिथि को भी सम्मापत समय, और अंतिम सिमा का पता या मालूम होना चाहिए। इसको नजर में रखते हुए हम यह कह सकते हैं कि अतिथि को किसी के घर अधिक समय तक नहीं रुकना चाहिए। हमारी संस्कृति में 'अतिथि देवो भवः' के संस्कार हमें जरूर दिए गये हैं, लेकिन आज महानगरीय जीवन में जहाँ एक माध्यमवर्गीय व्यक्ति को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए कड़ी-से-कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, खुद को वह हर दिन खटाता है, तब उसके संघर्ष के फल को वह कब तक दूसरों के साथ बाँट करने में इच्छुक रहेगा? और कभी जब धन व समय का अभाव रह जाए, तो मेहमान ज्यादा देर तक अगर घर में टिकेगा तो वह देवता नहीं दानव के रूप में याद किया जाएगा। किसी को भी दौड़ती-भागती जिंदगी में तकलीफ या अड़चन नहीं बनना चाहिए। अंत में लेखक यही संदेश दे रहे हैं कि अगर किसी रिस्ते को लंबे समय तक टिकाए रखना है तो, उतनी ही लंबाई की दूरी भी जरूरत है, जैसे इंसान उसे ज्यादा देर तक आपने यादों के पिटारे में समाए रखें।